चौधरी PHOTOSTAT

"I don't love studying. I hate studying. I like learning. Learning is beautiful."

"An investment in knowledge pays the best interest."

Hi, My Name is

G.S. हिंदी माध्यम

Drishti IAS

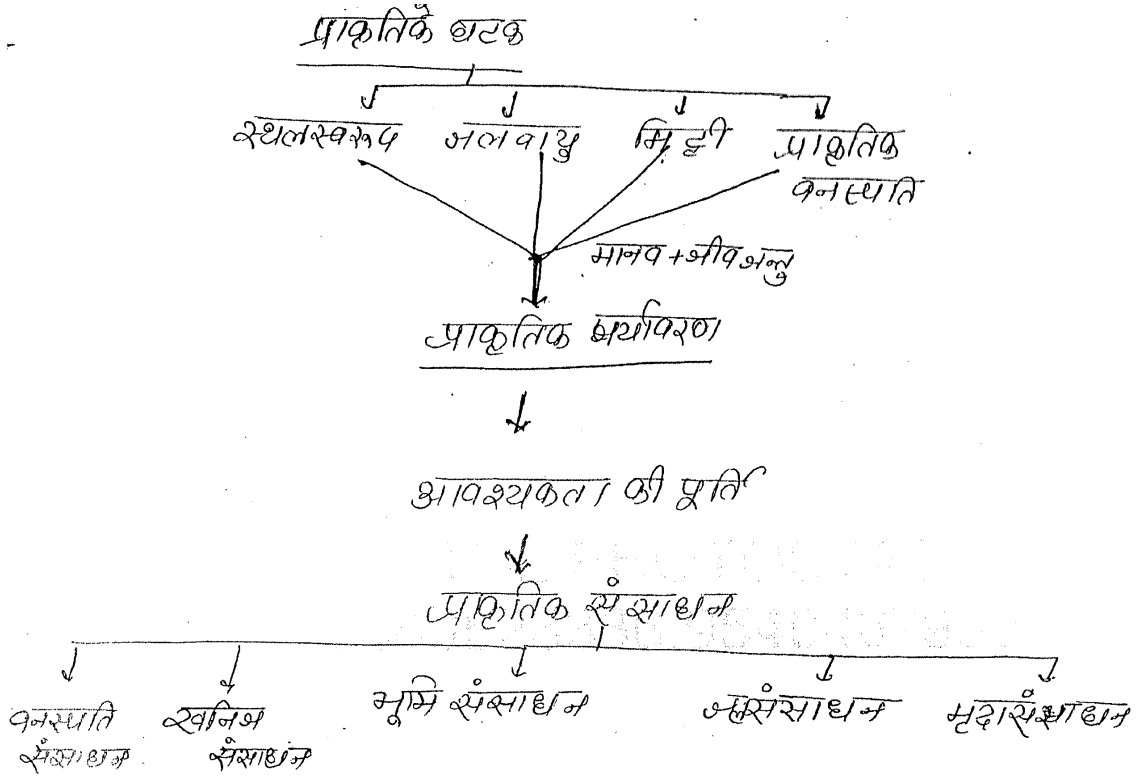
प्राकृतिक घटक
स्थलस्वरूप
जलवायु
मिट्टी
प्राकृतिक वनस्पति
मानव + जीवजन्तु
प्राकृतिक पर्यावरण
आवश्यकता की पूर्ति
प्राकृतिक संसाधन
वनस्पति संसाधन
खनिज संसाधन
भूमि संसाधन
जलसंसाधन
मृदासंसाधन

भूआकृति विज्ञान

(Geomorphology)

पृथ्वी
- पृथ्वी की सतह
  - स्थलीय सतह → प्रभाव
  - जलीय भाग
- पृथ्वी की आंतरिक परतें
- वायुमंडल की परतें

कारण

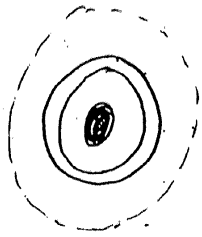

① क्या → विषय
② क्यों/कैसे → विज्ञान
③ कब → His
④ किसका → अर्थ

कहाँ ② → Geo

Geomorphology
- Geo → पृथ्वी की सतह
- morpho → स्थल स्वरूप
- logy → क्रमबद्ध तरीके तार्किक अध्ययन

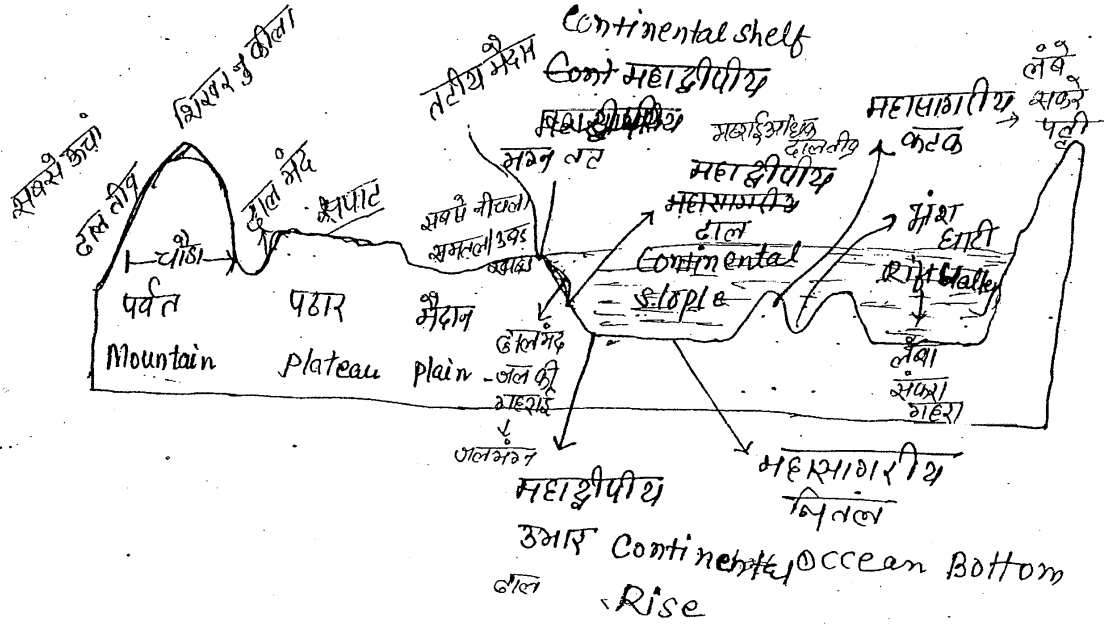

पृथ्वी की सतह पर
स्थल स्वरूपों की
उत्पत्ति ~~कारण~~

↓ के कारण

पृथ्वी की सतह के
अस्थायी और
परिवर्तन स्वरूप [भूसंचलन]

↓

बल Force

- बल की उत्पत्ति का स्रोत
- बल की तीव्रता
- बल की दिशा
  - क्षैतिज
  - ऊर्ध्वाधर
- बल के प्रभाव
- बल के उत्पत्ति के कारण

Statement:- पृथ्वी की आंतरिक परतों से उत्पन्न बल को अन्तर्जात बल (Endogenic Force) कहते हैं।

पृथ्वी की आंतरिक संरचना

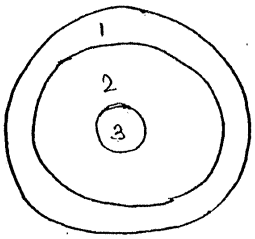

सीमांकित क्रियाविधा

Assumed Fact

होना चाहिए हो सकता
इनके अनुसार ऐसा होता है

Absolute fact

ऐसा होता है।

पृथ्वी के आंतरिक भाग (भूगर्भ)

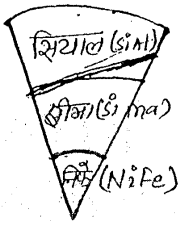

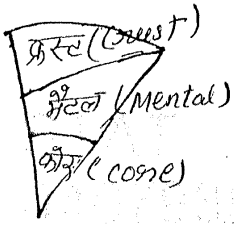

क्रस्ट + ऊपरी मैंटल की ऊपरी परत
↓
स्थलमंडल

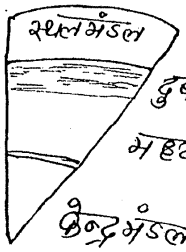

दुर्बल मंडल (Lithosphere)
मध्य मंडल
Mesosphere
केन्द्र मंडल
Barysphere

असांतत्य / संक्रमण क्षेत्र

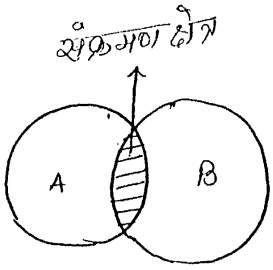

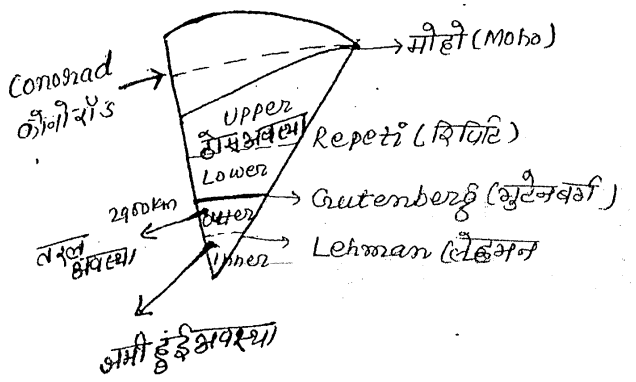

पृथ्वी की आंतरिक संरचना से संबंधित अध्ययन

- घनत्व पर आधारित अध्ययन
- तापमान दाब पर आधारित अध्ययन
- भूकंप शास्त्र पर आधारित अध्ययन

$D = \frac{mass}{volume}$

$D \propto m$ $\quad V \rightarrow constant$

$D \propto \frac{1}{V}$ $\quad m \rightarrow constant$

घनत्व के आधार पर अध्ययन :-

$D = \frac{mass}{volume}$

क्रस्ट का औसत घनत्व : 2.8 – 3.5 gm/cm³

पृथ्वी का औसत घनत्व = 5.5 gm/cm³

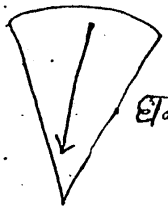

घनत्व में वृद्धि

प्रथम — भूगर्भ व अंदर की परतों → D — द्वितीय

एकसमान

रासायनिक संरचना ⇈ और संगठन

असमान → केन्द्र पृथ्वी का चुम्बक
इस्पात के समान एक दृढ़ पिंड
D ∝ m

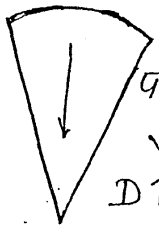

→ उल्का पिंडों की रासायनिक संरचना और संगठन

निष्कर्ष

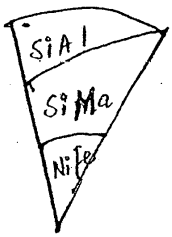

पृथ्वी की आंतरिक संरचना मानव के लिए दृश्यमान नहीं होने के कारण आंतरिक परतों से संबंधित सभी जानकारियां अप्रत्यक्ष प्रमाणों पर आधारित है। पृथ्वी की आंतरिक संरचना से संबंधित अब तक किए गए अध्ययन में सर्व प्रथम घनत्व पर आधारित अध्ययन के अन्तर्गत पृथ्वी की औसत घनत्व (5.5 gm/cm³) और क्रस्ट की औसत घनत्व (2.8 gm/cm³ 3.5 gm/cm³) के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया कि आंतरिक परतों का घनत्व औसत घनत्व से अधिक है। घनत्व में वृद्धि के संदर्भ में दो मत दिए गए। जिसमें प्रथम मत के अनुसार भूगर्भ की रासायनिक संरचना और संगठन के समान होने के कारण अंदर के परतों में जाने पर दाब में वृद्धि के साथ आयतन में कमी के कारण घनत्व में वृद्धि होती है।

द्वितीय मत के अनुसार प्रत्येक पदार्थ की अपनी एक प्रत्यास्थता सीमा

भारत का इतिहास एवं संस्कृति

Indian History and Culture

इतिहास में वर्तमान में रहकर मानव अतीत / भूत का क्रमबद्ध अध्ययन किया जाता है। कुछ निश्चित साक्ष्यों (साहित्यिक एवं पुरातात्विक) के सहारे अतीत की दोबारा पुनर्रचना की जाती है। इस रूप में इतिहास वर्तमान एवं भूत के बीच एक संवाद (dialogue) कायम करता है। (E. H. कार के अनुसार)

इतिहास के तहत किसी कालखंड में मानव समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था तथा संस्कृति का अध्ययन किया जाता है।

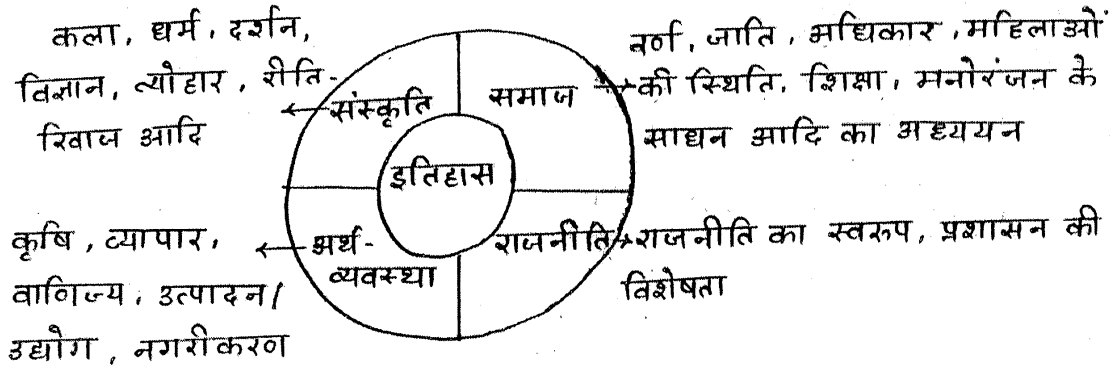

इतिहास एवं काल विभाजन

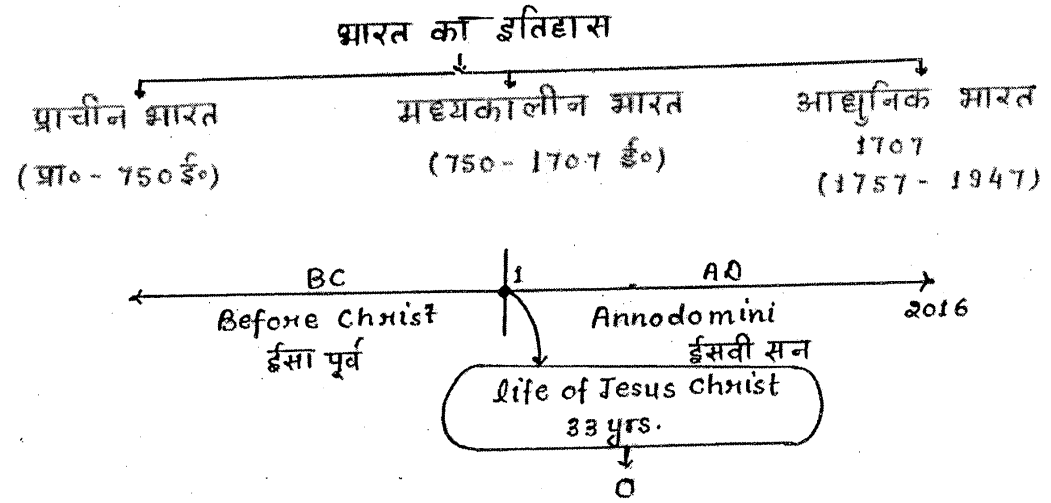

प्राचीन भारत

1. पाषाण काल
   - विश्व संदर्भ (20 लाख BC - 3000 BC)
   - भारतीय संदर्भ (5 लाख BC - 3000 BC)
2. हड़प्पा सभ्यता (2600 - 1900 BC) } Proto History
3. वैदिक काल (1500 - 600 BC) } 1/2
4. मौर्यकाल / बुद्धकाल (600 - 321 BC)
5. मौर्यकाल (321 - 185 BC)
6. मौर्योत्तर काल (200 BC - 300 AD)
7. गुप्त काल (319 - 550 AD)
8. गुप्तोत्तर काल (550 - 750 AD)

इतिहास की शब्दावलियां (Glossary of History)

1. प्राक् इतिहास (Pre History) - लगभग 20 लाख - 3000 BC तक का कालखंड। इसे जानने के लिए लिखित साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। अतः पुरातात्विक सामग्रियों (जीवाश्म, पत्थर के औजार, मृदभांड, हड्डियाँ आदि) के सहारे इसे जाना जाता है।

2. आद्य इतिहास (Proto History) - लगभग 3000 - 600 BC का कालखंड। इस काल का लिखित साक्ष्य तो उपलब्ध है लेकिन इसे पढ़ा नहीं जा सका है। अतः इसे भी पुरातत्व के सहारे जाना जाता है। इदा० - हड़प्पा सभ्यता

3. इतिहास (History) - 600 BC से आगे का कालखंड। यहाँ से लिखित साक्ष्य भी मिलने प्रारम्भ होते हैं जिन्हें पढ़ लिया गया है।

4. संस्कृति (Culture) - किसी स्थान या देश विशेष के लोगों की जीवनशैली को संस्कृति कहा जाता है। इसके तहत कला,

धर्म, दर्शन, विज्ञान, साहित्य, भाषा, खानपान, वेशभूषा, रीति-रिवाज, आचार-व्यवहार आदि आता है। इसका निर्माण विभिन्न पीढ़ियों के सामूहिक योगदान से एक लम्बे कालखंड के तहत होता है। संस्कृति सदैव सतत रूप से (continuously / gradually) विकसित होती रहती है।

5. <u>सभ्यता (Civilization)</u> - संस्कृति के मानकीकरण की अवस्था सभ्यता कहलाती है। मानव द्वारा जब उन्नत तकनीकि तथा उच्च आर्थिक / भौतिक समृद्धि की अवस्था प्राप्त कर ली जाती है तब इसे सभ्यता की अवस्था कहा जाता है। नगरीकरण सभ्यता का आवश्यक लक्षण होता है।

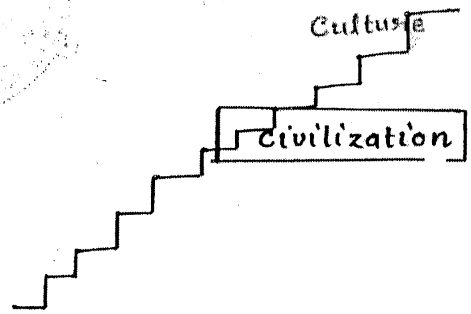

1. पाषाण काल (२० लाख BC–6,000 BC)

- Human Evolution / मानव उद्विकास
- हिमकाल / Ice Age
- पाषाण उपकरण एवं काल विभाजन / Stone tools and division of time

<u>मानव उद्विकास</u> - पृथ्वी पर मानव जाति बनी बनायी अवतरित नहीं हुई है। बल्कि अपने पूर्ववर्ती जीव रूपों से इसका उद्विकास हुआ है।

1859 में चार्ल्स डार्विन की पुस्तक 'Origin of Species' के प्रकाशन के बाद मानव को उद्विकास का परिणाम माना गया। चार्ल्स डार्विन के सिद्धान्त - प्राकृतिक चयन (theory of natural selection) तथा योग्यतम उत्तरजीविता (Survival of the best) के सिद्धान्त

को अन्य जीवों के साथ-साथ मानव पर भी लागू किया जाता है।

तमाम प्रयोगों से यह बात साबित हो चुकी है कि लगभग 20 लाख BC से 10 हजार BC तक प्राइमेट से मानव का उद्विकास हुआ। जिसे निम्नवत देखा जा सकता है-

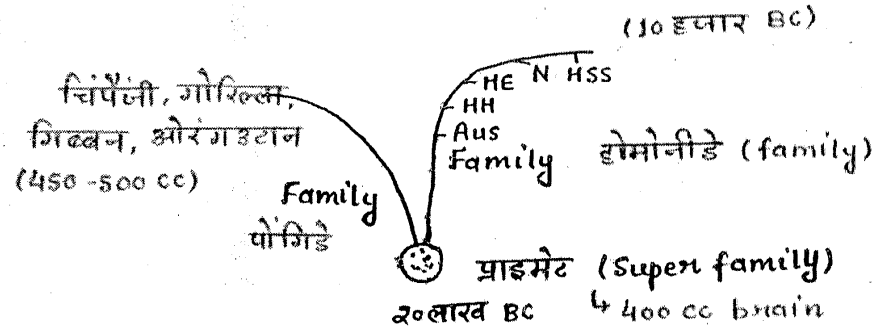

लगभग 26 लाख BC के आस-पास प्राइमेट से आस्ट्रेलोपिथेकस के रूप में प्रथम होमोनीडे का उद्भव हुआ। प्राइमेट तथा आस्ट्रेलोपिथेकस के बीच मुख्य अंतर यह था कि वह (Australo-) दो पैरों पर चल सकता था। धीरे-धीरे होमोनीडे की विभिन्न प्रजातियों का विकास हुआ। कालक्रम में मानव की कपाल धारिता (Cranial Capacity) बढ़ती गई। कई शारीरिक लक्षण उभरते गये। महत्वपूर्ण जीनिक (genetic) परिवर्तन होते गये तथा मानव में बौद्धिक एवं कलात्मक प्रतिभा का विकास हुआ। परिणामस्वरूप भाषा, संचार, कला, ज्ञान, धर्म, विज्ञान, दर्शन, रीति-रिवाज आदि के रूप में मानव संस्कृति का विकास हुआ।

उपप्रकार	Man	CC	Tools	महत्वपूर्ण विशेषता
1. आस्ट्रे. अफ्रीकेनुस 2. आस्ट्रे. रोबोस्टस 3. जेंजोनथ्रोपस (बोइसई)	आस्ट्रेलोपिथेकस (26 लाख BC)	450-500 cc	Pebble (नदियों के बहाव से निर्मित औजारों का प्रयोग)	1. मुख्यतः शाकाहारी था। 2. केवल दक्षिणी-पूर्वी अफ्रीका तक सीमित

	Homo Habilis होमो हैबिलिस (२० लाख)	700-800 cc	ओल्डुवा	१. प्रथम उपकरण निर्माता मनुष्य २. शाकाहारी के साथ-साथ मांसाहारी लेकिन छोटे जानवरों का शिकार ३. दक्षिणी-पूर्वी अफ्रीका तक सीमित
१. पिथेकैन-थ्रोपस २. जावामैन ३. पिकेन-सिस	Homo Erectus होमो इरेक्टस (17 लाख)	850-1100 cc	•Handaxe हस्तकुठार •क्लेक्टोनी •लेवालोसियन (गोलाकार) (कद्दू के आकार का)	१. प्रथम मनुष्य जो अफ्रीका के बाहर निकला, एशिया तथा यूरोप से भी साक्ष्य प्राप्त २. यह मैमथ जैसे बड़े जानवरों का शिकार करता था। ३. आग का आविष्कार करने वाला प्रथम मनुष्य
	नियन्डर-थल (1.35 लाख)	1100-1400 cc	• Flake (फलक) औजारों का बेहतर प्रयोग करने वाला • मुस्तुरिया (फ्रांस संस्कृति का निर्माता)	१. यह पूर्व से भी अधिक दक्ष शिकारी मानव था। २. यह प्रथम मनुष्य था जिसने शवों को दफनाने की प्रक्रिया का प्रारम्भ किया।
1. क्रोमैग-नेन (फ्रांस) 2. ब्रोकन-हिल (प० एशिया) 3. ग्रिमाल्डी (आस्ट्रेलिया) 4. संसलाद (South Africa)	Homo Sapiens-Sapiens (40 हजार से 10 हजार BC)	1300-1600 cc	flake के और बेहतर औजारों का निर्माण हड्डी + जानवरों के सींग द्वारा बने औजारों का प्रयोग	१. सर्वाधिक दक्ष शिकारी २. स्पष्ट भाषा बोलनेवाला एवं संचार करने वाला मानव 3. उच्चस्तरीय कला का प्रदर्शन करने वाला मानव (मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत, नृत्य आदि) उदा०- फ्रांस के लास्काव स्पेन के अल्तामीरा तथा भारत के भीमबेटका की गुफाओं से सुंदर चित्रकारियाँ प्राप्त हुई हैं।

मानव उद्विकास एवं विसरण का सिद्धान्त

जीवविज्ञान में माना जाता है कि प्रारंभिक मानव का विकास सर्वप्रथम दक्षिणी- पूर्वी अफ्रीका में हुआ तथा यहीं से मानव जाति का प्रसार सम्पूर्ण विश्व में हुआ। इसके वैज्ञानिक तथा पुरातात्विक दोनों साक्ष्य उपलब्ध हैं।

वैज्ञानिक साक्ष्य :
Human जीनोम प्रोजेक्ट (DNA) द्वारा जीन (DNA) की कड़ियों को जोड़कर मातृवंशावली तैयार की गई है जो अंतिम रूप से अफ्रीका में जाकर समाप्त हो जाती है।

पुरातात्विक साक्ष्य :
अफ्रीका की रिफ्ट घाटी (युगांडा, रवांडा, तंजानिया, केन्या) में ओल्डवाईगार्ज (तंजानिया) तथा तुरकाना झील (केन्या) आदि स्थलों से प्रारंभिक मनुष्यों के जीवाश्मों तथा पत्थर के औजारों की साथ- साथ प्राप्ति हुई है।

उद्विकास के दौरान मानव एवं पर्यावरण सम्बन्ध

(26 लाख - 10 हजार BC)
↓
Pleistocene (अत्यंत नूतनकाल)
↓
Ice age

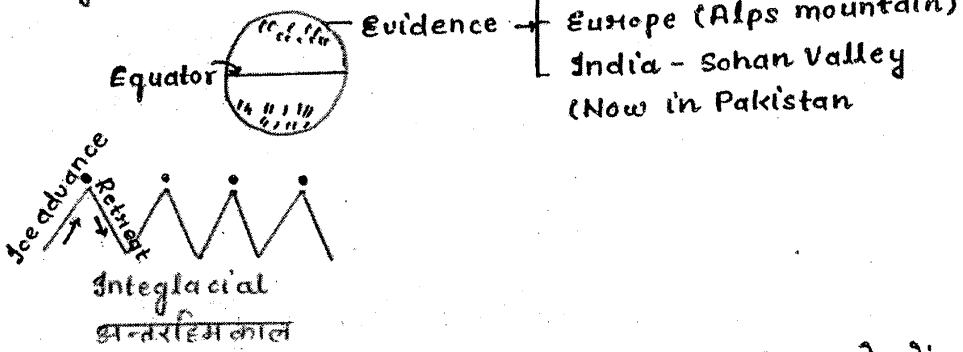

जिस समय मानव का उद्विकास हो रहा था भूमध्य रेखा को छोड़कर पूरी पृथ्वी पर बड़े - बड़े हिमयुग के दौर आते रहते थे। बर्फ की आँधियाँ चला करती थीं। कभी- कभी दो बड़े हिमकालों के बीच

मौसम थोड़ा सा गर्म एवं शुष्क होता था जिसे अंतः हिमकाल कहा गया है। इन्हीं चरम परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए मानव ने अपनी उत्तरजीविता कायम की।

पाषाण उपकरण एवं काल विभाजन

अपने विकास के दौरान मानव ने पत्थर के विभिन्न प्रकार के औजारों का निर्माण किया। इन्हें इनके आकार प्रकार तथा बनावट के आधार पर तीन भागों में बाँटकर देखा जाता है। जो निम्न है-

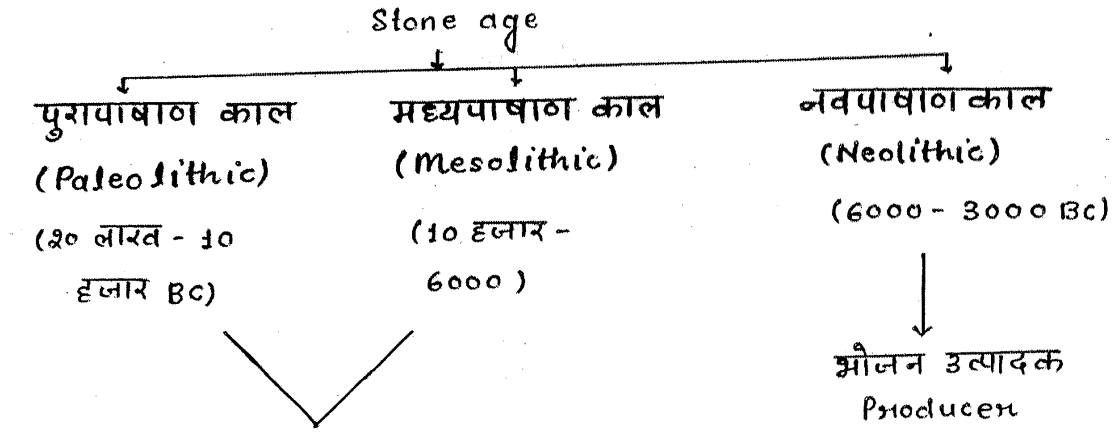

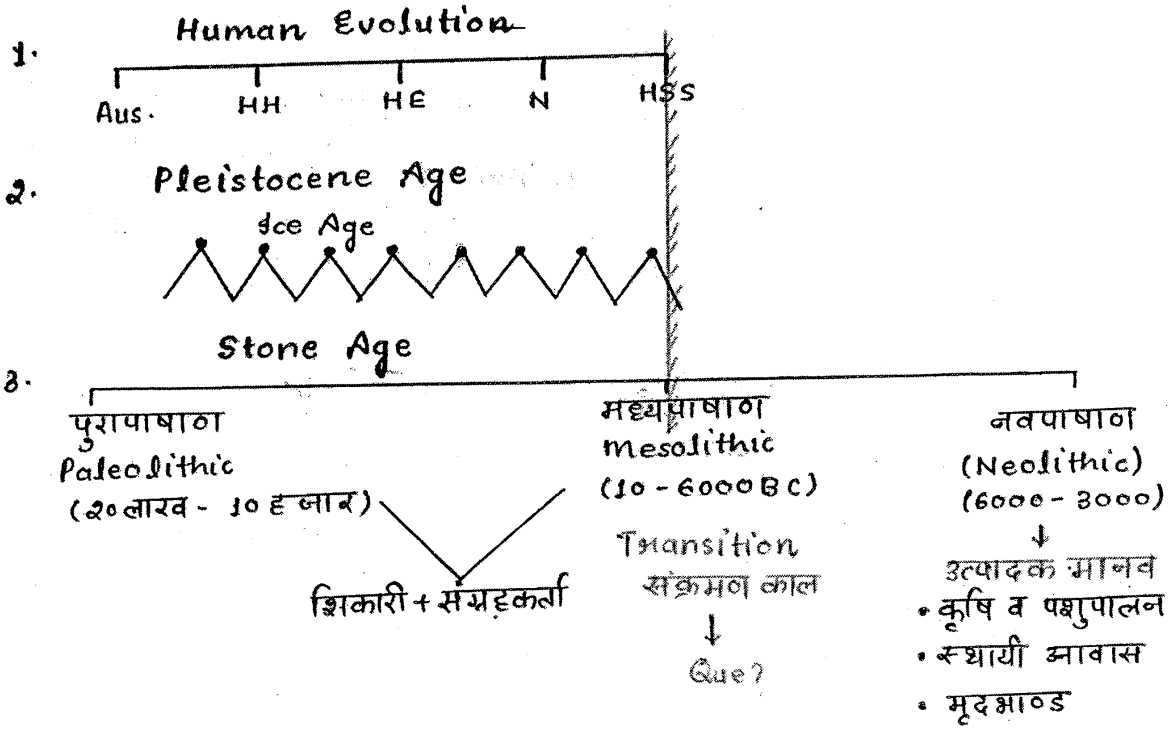

सरकार

सरकार क्या है

→ राज्य का मूर्त रूप सरकार है।

सरकार

1. विधायिका
   - (i) लोकसभा
   - (ii) राज्यसभा
   - ⇓ राज्यों में
     - 1. विधान सभा
     - 2. विधानपरिषद

विधायिका का कार्य :-

1. विधि का निर्माण करना
2. संविधान का संशोधन

2. कार्यपालिका
   - अस्थायी
     - (A) राष्ट्रपति
     - (B) प्रधानमंत्री
       - ↓ मंत्रीपरिषद
   - राज्यपाल
   - मुख्यमंत्री
     - ↓ मंत्रीपरिषद
   - स्थायी
     - ↓ सिविल सेवक

कार्य :-

1. विधायिका द्वारा निर्मित ~~विधि~~ विधि का क्रियान्वयन
2. कार्यपलिका के द्वारा ~~नीतियों~~ नीतियों का निर्माण होता है।

(Policy Making)

3. न्यायपालिका
   - विवाद के समाधान का कार्य
   - मूल अधिकारों की रक्षा
   - न्याय पालिका द्वारा ~~विधिक~~ विधायिका एवं कार्यपालिका के कार्यों का पुनर्विलोकन भी किया जाता है।

उच्चतम
↓ न्यायलय
उच्च न्यायलय
⇓
जनपद न्यायल

संविधान (Constitution)

(i) सर्वोच्च विधि ही संविधान है।

→ Article 32 (संविधान)

→ दण्ड संहिता (IPC)

(ii) सरकार के विभिन्न अंगों की शक्तियों का उल्लेख किया गया है।

(iii) सरकार की इन अंगों पर प्रतिबंधों का भी उल्लेख किया गया है।

(iv) संविधान में नागरिकों और सरकार के बीच संबंधों का भी निर्धारण किया जाता है इसलिए संविधान में नागरिकों को मौलिक अधिकार दिए गए हैं।

* **संविधानवाद** (Constitutionalism)

1. सरकार की शक्तियों का संविधान के द्वारा सीमित किया जाता है जिससे व्यक्ति की स्वतंत्रता का ~~संरक्षण हो सके।~~

2. संविधान वाद के द्वारा विधि के शासन की

स्थापना की जाती है क्योंकि व्यक्ति का शासन से शक्ति का दुरूपयोग संभव है

3. संविधानवाद एक लोकतांत्रिक सरकार का प्रावधान करता है।

इसलिए संविधानवाद में संविधान की सर्वोच्चता होती है।

संविधान

भारत	UAE
(1) लोकतांत्रिक	– राजा/भैरलोकतांत्रिक
(2) विधि का शासन	– व्यक्ति का शासन
(3) संविधान की सर्वोच्चता	– शासक की सर्वोच्चता
(4) सीमित शासन	

↓

संविधानवाद

लोकतंत्र :- - जनता के द्वारा निर्वाचित शासक।

~~- जनता के प्रति उत्तरदायी शासन।~~

- विधि एवं संविधान पर आधारित शासन।
- ऐसा शासन जहाँ जनता को शक्ति का सर्वोच्च

- जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को समान स्वतंत्रता एवं अधिकार प्राप्त हों तथा समाज में समानता विद्यमान हो।

संविधान और राजव्यवस्था

संविधान (Constitution)	राजव्यवस्था (Polity) Indian political System (भारतीय लोकतंत्र)
1. सरकार के विभिन्न अंगों की शक्तियों का उल्लेख होता है।	1. सरकार की कार्यप्रणाली का राजनीतिक प्रणाली के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन ही राजव्यवस्था है।
2. न्यायधीशों की नियुक्ति राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के द्वारा होगी।	2. जबकि व्यवहारिक रूप में न्यायधीशों की नियुक्ति, न्यायधीशों के समूह (Collegeum) के द्वारा हो रही है।
3. संविधान विधि का सर्वोच्च दस्तावेज है	3. राजव्यवस्था के अन्तर्गत संविधान को सामाजिक ढाँचे के अन्तर्गत समझने का प्रयास किया जाता है।
4. संविधान में विधि का उल्लेख होता है आर्थिक प्रणाली का विवरण नहीं उल्लेखित नहीं है।	4. 1991 में उदारीकरण एवं निजीकरण की नीति अपनायी गई परिणाम स्वरूप संघ राज्य संबंधों में परिवर्तन हुए और GST का प्रावधान

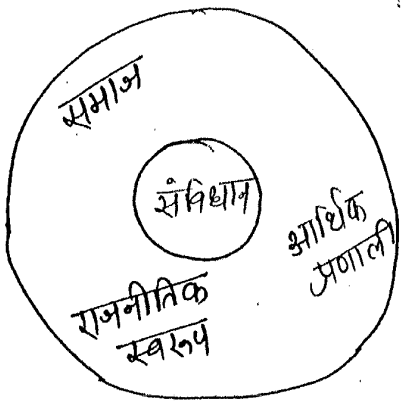

उदारवाद (Liberalism)

* उदारवादी व्यक्ति और उसकी स्वतंत्रता को सर्वाधिक महत्व प्रदान करते हैं।

* उदारवादी जाति, धर्म, सम्प्रदाय, लैंगिक विभाजन को अस्वीकार करते हैं।

* उदारवादी विधि और संविधान के शासन को मानते हैं।

* ये लोकतांत्रिक शासन के समर्थक हैं।

* उदारवादी यह मानते है कि अर्थव्यवस्था पर राज्य का नियंत्रण नहीं होना चाहिए।

समाजवाद (Socialism)

1. समाजवादी आर्थिक समानता पर बल प्रदान करते हैं।
2. आर्थिक समानता के लिए राज्य का भूमि, भवन और उद्योगों पर भी नियंत्रण होना चाहिए।
3. समाजवादी पूंजीवादी आर्थिक प्रणाली के विरोधी होते हैं। और पूंजीवादी आर्थिक प्रणाली का अभिप्राय है जहाँ कल कारखानों पर निजी व्यक्तियों का नियंत्रण हो और उत्पादन लाभ के लिए किया जाय।

साम्यवाद (Communism) :-

1. सामाजवादी आदर्शों को प्राप्त करने के लिए क्रांतिकारी हिंसात्मक साधनों का प्रयोग करने वालों को साम्यवादी कहा जाता है।
2. साम्यवादी विचारधारा एक आदर्शवादी विचारधारा है जो कहीं लागू नहीं हो सका क्योंकि यह समाज में आर्थिक समानता लाने के लिए राज्य, धर्म, सरकार, को भी समाप्त करने के समर्थक हैं।

Paper II

1. लोकतंत्र एवं लोक सेवाएं

2. शासन व्यवस्था

   पारदर्शिता और जवाब देहीता

   e-Governance

   Citizen Charter

3. संवैधानिक वैधानिक नियामक अर्द्ध-न्यायिक अभिकरण

4. संगठन (स्वरूप / कार्य)

   • मंत्रालय और विभाग

   • औपचारिक / अनौपचारिक

   • प्रभावक समूह

5. जन प्रतिनिधित्व अधिनियम

   Electrol reforms [भाग-15]

Paper IV

Chapter 3. सिविल सेवा अभिरुचि (Aptitude) → गुण

मूल्य (value) → सोच

- सत्यनिष्ठा
- वस्तुनिष्ठा

Chapter 6:- लोक सेवा / लोकसेवक के मूल्य / नीतिशास्त्र

नैतिक दुविधा / नैतिक चिन्ता से
से बचाने के लिए

↓

- नियम, विनियम
- अंतरात्मा
- लोक / निजी / अन्तर्राष्ट्रीय नैतिक ~~चिंता~~ दुविधा
- कारपोरेट शासन व्यवस्था
- अन्तर्राष्ट्रीय निधि व्यवस्था ।

Chapter 7:- शासन व्यवस्था में ईमानदारी

→ पारदर्शिता ।
– सूचना का अधिकार
– Citizen चार्टर
– Code of Conduct / Ethics
– कार्य संस्कृति
– लोक निधि का उपयोग

1. लोकतंत्र और लोक सेवाएँ

- लोकतंत्र में लोक सेवाओं की भूमिका।
  - लोकतंत्र ↓ Pol. Sci
  - लोक सेवाओं — Pub. Ad

- लोकतंत्र का विचार
- लोक सेवा का विचार
- अन्तर्संबंध → समानता
  → अन्तर्विरोध
- भूमिका – आदर्श
  – वर्तमान
  – सुधार
- सिविल सेवा सुधार रिपोर्ट

लोकतंत्र का विचार :-

लोक + तंत्र

जनता + व्यवस्था

- For (वह व्यवस्था) – शासित → शासक
- Of – शासित जिन नीतियों से प्रभावित होता है → निर्माण
- By – सत्ता का प्रवाह शासित ↑ शासक

लोकतंत्र

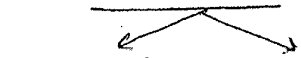

व्यवस्था → विचारधार

- सहभागिता
- समता
- स्वतंत्रता
- सहिष्णुता
- सहयोग
- समन्वय
- सामासिकता
- सहअस्तित्व
- सर्वे भवन्तु सुखिन:
- सद्भाव

- समभाव
- सौहार्द्र
- सम्प्रभुता
- सशक्तिकरण
- समावेशी

Q. "लोकतंत्र जो शासन की व्यवस्था के तौर पर देखा जाता है वह व्यवस्था से पहले एक व्यापक विचार है। जो लोकतंत्र की ~~भूमिका को~~ मूल भावना को आत्मसात करता है और व्यवस्था को सफलता पूर्वक चलाने का आधार है।" व्याख्या करें।

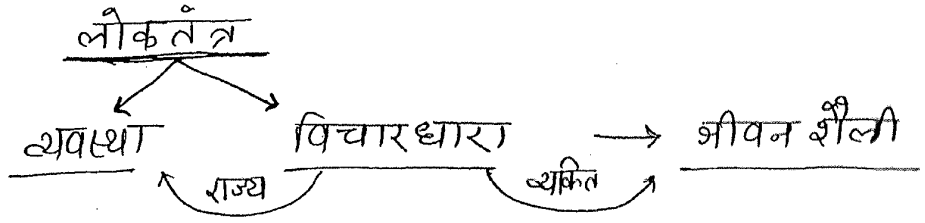

Q. "लोकतंत्र विचार में रखने की नहीं जीवन व्यवहार में उतारने की चीज है। इसलिए लोकतंत्र जताने और बताने का नहीं व्यवहार में लाने की शैली है।"

- राजनीति आक्रमण।
- सांस्कृतिक अन्तः क्रिया
- सामाजिक संस्कार

↓ लोगों में

लचीलापन

Q. "भारत में लोकतंत्र की उत्तर जीविता उसकी सफलता उसकी निरंतरता • लोकतांत्रिक जीवन शैली से सुनिश्चित होती है।" सउदाहरण व्याख्या करें।

Q. "भारत में लोकतंत्र की निरंतरता ही उसकी सफलता का प्रमाण है।"

लोकतंत्र के विचार का विकास :-

- 1215 का मैग्नाकार्टा
- 1688 / 1776 / 1789
  ENG America France
- 1917 / 1949 → (साम्यवादी क्रांति)
  RUS CHN

1944 के बाद → Collonism का अंत – अटलांटिक चार्टर
साम्राज्यवाद X
उपनिवेशवाद X
↓
नव स्वतंत्र देशों का उदय।

- 2000 के बाद USA New World Order.
  - अमेरिका एक विचार है → लोकतंत्र

- 2010 के बाद — अरब क्रांति → USA की रणनीति
  - Tunishia
  - मिस्र
  - लिबिया

- तेल कूटनीति (ऊर्जा सुरक्षा
- सैन्य कूटनीति (Russia+China
  Terrorism

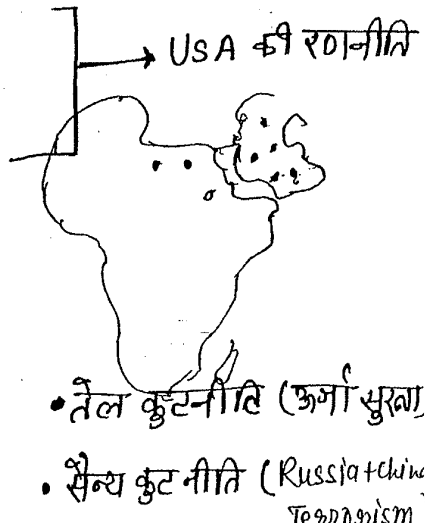

Society / Rights / Justice

Society :-

समाज Dynamic / static होती है।

• कोई भी अधिकार निरपेक्ष नहीं होती है।

- यह एक सामाजिक विज्ञान है।
- समाजिक विज्ञान के नियम Dynamic है।
- इसलिए समाज की प्रकृति भी Dynamic है।
- चूंकि समाज Dynamic है इसलिए Right and Justice Dynamic होना चाहिए।

Henry Giddings :-

"समाज स्वयं में एक संघ है, संगठन है औपचारिक संबंधों का योग है जिसमें सहयोग देने वाले व्यक्ति परस्पर रूप से संबंधित है।"

Adam Smith :-

'An Invisible Hand.'

"समाज एक कृत्रिम उपाय (Artificial Means) है।"

- समाज जितनी प्रकार की आर्थिक क्रियाएं करता है उसके पीछे स्वार्थ छिपा होता है।
- अर्थव्यवस्था स्वार्थ पर चलाता है।

अरस्तु :-
"मनुष्य एक सामाजिक प्राणि है।"
- प्रत्येक जीव अपने को संरक्षित रखना चाहता है।

समाज के विभिन्न महत्व पूर्ण घटक :-

(i) संकीर्ण समाज :- एक विशेष प्रकार का गुण रखता है।-
- मुस्लिम समाज :- तौहिद (Brotherhood).
- इसाई समाज
- LGBT Community (Queer Cummunity)

(ii) व्यापक समाज :-
"सबके लिए सबके द्वारा"
- असहयोग आंदोलन

- Idial society mixed की तरह है।

आदर्श समाज संकीर्ण समाज के अधिकारों के साथ व्यापक समाज है।

Transgender person (Protection of Right) Bill 2016 :-

15, Apr 2014 – Transgenders को OBC में रखा जायेगा (By Supreme Court)
- Art 21 के अनुसार
- Mx. Pre name लगाया जाता है।

स्वस्थ समाज (Healthy society) :-

I. एक स्वस्थ समाज में 'संघर्ष' पायी है। 'Competition'

"Knowledge society" – "Peter drucker"

- भारतीय समाज
  - "ज्ञान आधारित संघर्ष"

II. एक स्वस्थ समाज में 'सामंजस्य' होना चाहिए। (Co-operation)

पाकिस्तान में :- संघर्ष सामंजस्य पर हावी है

III. समरूपता बढ़नी चाहिए (Egalitarian society) समरूपी समाज

विषमरूपता नहीं बढ़नी चाहिए।
- भारत में यही बढ़ी है।

• "भारत में विषमताएँ (Disparity) समरूपता (Egalitarian) पर हावी हैं।"

समाज के मूल तत्व एवं उद्भव :-

(Evolution of society)

Key Element :-

* Mutual Awareness (पारस्परिक जागरूकता) :-
  - दूसरे समाज के प्रति भी समान जागरूकता होनी चाहिए।

* Equality / Unequality (समानता / असमानता)

परिवर्तन शीलता, सहयोग एवं संघर्ष एवं परस्पर निर्भरता

Evolution and Origin of

Origin and Evolution of society

* Origin of society :-

• Human time line :-

(A) Ape / primates (बंदर)

(B) Homo Habilis

- तंजानिया में पाया गया
- Stone का इस्तेमाल शुरू किया
- इनका जबड़ा छोटा होता था
- Prefrontal face
  → ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता बढ़ जाते हैं।

(C) Homo Erectus :-

- आग का प्रयोग शुरू किए
- East Africa में पाये गए
- घुम्मकड़ प्रवृति के

D) Neanderthal :-

→ इनका जीवाश्म Neander द्वीप जर्मनी में पाये गए।

E) Homo Sapiens :-

- Modern human
- एथीपिया में पाये गए।
- शिकार करना जानते थे

⇓

मनुष्य का विकास क्रम

- गुट में रहना जानते हैं।

⇓

सभ्यता के बनाने के प्रतीक के रूप में जाने गए।

Civilisation (सभ्यता)

1. Hunting society (शिकारी समाज) :-
   - अपने शरीर की स्वार्थ की पूर्ति के लिए शिकार करते है।

2. Pastoral society (पशुचारी समाज) :-
   - जानवरों का प्रयोग कैसे किया जाय।
   - Horticulture बागवानी सीख गए।

3. Agrarian society (कृषि आधारित समाज) :-
   - जल की आवश्यकता कृषि में समझा
   - सभ्यताएँ नदी / जल स्त्रोतों की उचित उपलब्धता में विकास हुआ
     - मेसोपोटामिया - नील
     - सिन्धु सभ्यता → सिंधु

After दूसरी शीत युग

⇓

4. Feudal society :- (सामंतवादी समाज)
   - महिलायों को अधिकार सीमित किया।
   - दास प्रथा
   - संघर्ष का कारण बना

5. Industrial Society (औद्योगिक समाज) - England से शुरू)
   - स्टीम इंजन के अविष्कार के साथ कोयले का आयोग बढ़ा।

शेयर बाजार (Share Market)

शेयर बाजार उस परिवेश को कहते है जहां सामान्यतः Equity share का क्रय विक्रय होता है।

कम्पनी समुदाय (India Incorporated)
(India Inc)

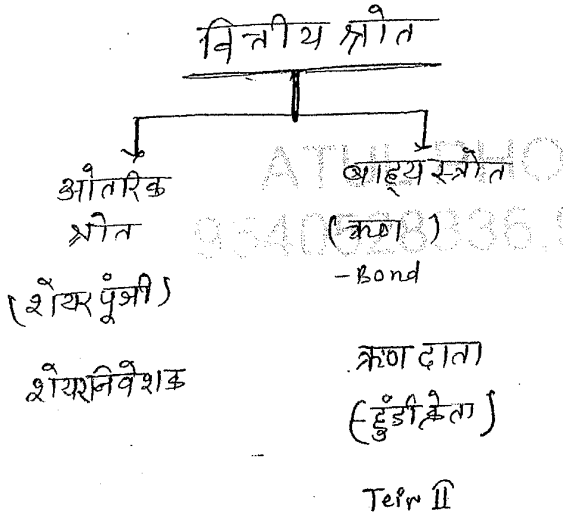

1. अधिकृत पूंजी
(Authorised)
2. निर्गत/जारी
(Issued capital)
3. आवेदित पूंजी
(Subscribed capital)
4. चुकता/प्रदत्त पूंजी
(paidup capital)

1. अधिकृत पूंजी :-

विधि के प्रावधान के अनुसार प्रशासनिक संस्था द्वारा एक कम्पनी को बाजार से अधिकतम जितनी पूंजी जुटाने का अधिकार दिया गया है। पूंजी की उस अधिकतम मूल्य को अधिकृत मूल्य पूंजी कहते हैं।

प्रशासन के अनुमोदन से अधिकृत पूंजी की सीमा बढ़ायी भी जा सकती है।

2. निर्गत पूंजी :-

ATUL PHOTOSTAT
95408...

बाजार से पूंजी जुटाने के लिए एक कम्पनी ने जितने मूल्य के शेयर बेचने का प्रस्ताव कर दिया है उसे कम्पनी की निर्गत पूंजी कहते हैं।

शेयर विक्रय के प्रस्ताव निम्न लिखित दो प्रकार के होते हैं

1. निजी प्रस्ताव Private Issue | Private Offer
Private placement :—

यदि एक कम्पनी शेयर विक्रय का प्रस्ताव चुनिन्दा निवेशकों के सामने करे सरे आम सबके सामने न करे

ऐसे प्रस्ताव को 'निजी प्रस्ताव' कहते हैं।

ii) सार्वजनिक प्रस्ताव (Public offer, Public issue Public placement):—

यदि एक कम्पनी शेयर विक्रय का प्रस्ताव सरे आम सबके सामने करे और जिसके पास पैसे हो वो आवेदन के लिए अधिकृत हो उसे सार्वजनिक प्रस्ताव कहते हैं

सार्वजनिक प्रस्ताव दो प्रकार के होते हैं।

(क) आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (Initial public offer, IPO):—

यदि एक कम्पनी अपने जीवन काल में शेयर बेचने का पहला सार्वजनिक प्रस्ताव पेश करे तो उसे Initial public offer कहते हैं।

(ख) अनुवर्ती सार्वजनिक प्रस्ताव (Follow-on public offer, FPO):

यदि एक कम्पनी के द्वारा IPO के बाद शेयर बेचने के लिए

किए गए सभी सार्वजनिक प्रस्तावों को अनुवर्ती सार्वजनिक प्रस्ताव कहते हैं।

3. आवेदित पूंजी :-

निवेशकों द्वारा एक कम्पनी का शेयर खरीदने के लिए जितने मूल्य का आवेदन जमा किए गए हैं उसे उस कम्पनी की आवेदित पूंजी कहते हैं।

<u>टिप्पनी :-</u> निर्गत पूंजी शेयरों की आपूर्ति का सूचक होता है और आवेदित पूंजी शेयरों की मांग का सूचक होता है।

यदि

	IC	SC
I.	50 करोड़	50 करोड ⇒ पूर्ण आवेदन Full Subscription
II.	50 करोड़	1700 करोड़ ⇒ अति आवेदन 34 x OS Over Subscription
III.	50 करोड़	2 करोड़ ⇒ अल्प आवेदन - Under Subsription

ATUL PHOTOSTAT

शेयर का मूल्य

- अंकित मू० (Face value)
- बाजार मू० Market value

FV = MV = Parity invalue

FV < MV ⇒ प्रीमियम पर बिक रहा है।

10 750 740

FV > MV ⇒ बट्टे पर बिक रहा है।

10 7 3

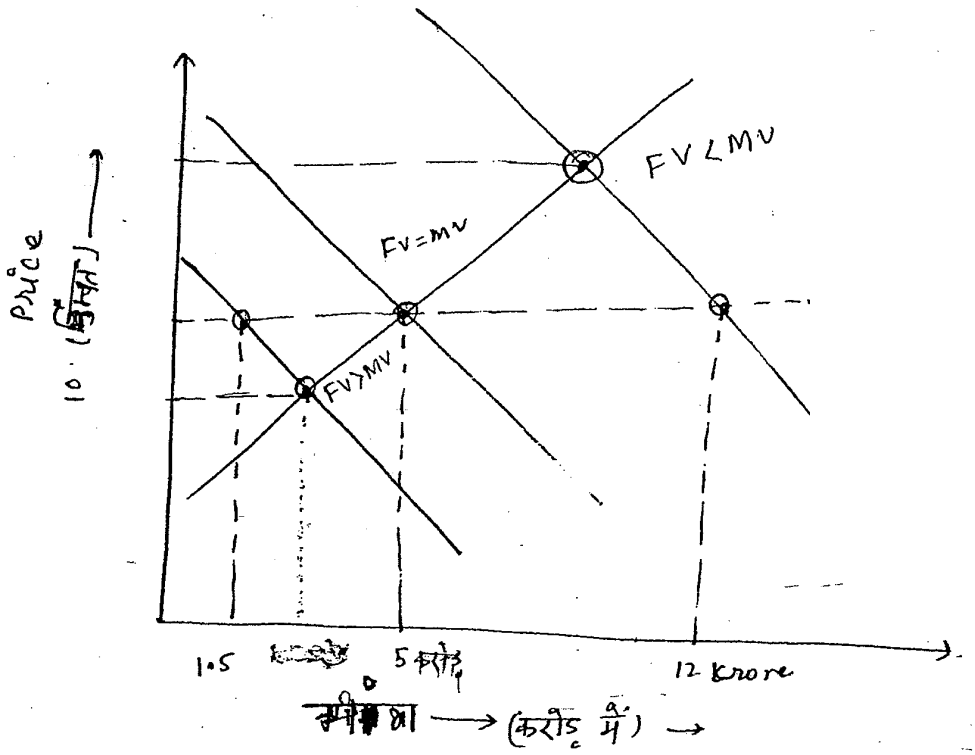

$$SP - CP = CG_2$$

(पूंजीगत लाभ)

$$CP - SP = CL$$

(पूंजीगत हानि)

प्रदत्त पूंजी (Paidup Capital):-

एक निश्चित तिथि पर शेयर बेचने से कम्पनी को प्राप्त मुद्रा राशि को कम्पनी की प्रदत्त पूंजी (Paid up Capital) कहते है

ATUL PHOTOSTAT

1991 में शुरू किए गए आर्थिक सुधार कार्यक्रम की प्रक्रिया में कम्पनियों के वित्त प्रबंधन से संबंधित प्रावधान में भी कई सुधार किए है।

(i) Book Building option:-

प्रशासनिक संस्था द्वारा

शेयर के बाजार मूल्य के निर्धारण के